हिंदी पखवाड़ा—2018

(10 सितम्बर से 24 सितम्बर, 2018)

विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़े का शुभारंभ

हिंदी के प्रचार-प्रसार की ओर अग्रसर है हकेंविवि: प्रो. कुहाड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

राजभाषा हिंदी के प्रचार प्रसार की दिशा में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय तेजी से अग्रसर है। विश्वविद्यालय में इस दिशा में जारी प्रयासों का नतीजा है कि कार्यालयीन गतिविधियों में हिंदी का उपयोग बढ़ा है और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के माध्यम से विश्वविद्यालय स्थानीय निकायों को भी हिंदी के प्रयोग में सहयोग प्रदान कर रहा है। ये बातें हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने विश्वविद्यालय में राजभाषा अनुभाग की ओर से आयोजित हिंदी पखवाड़ा 10 से 24 सितंबर के उद्घाटन के अवसर पर कही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि भाषा का अपना एक अलग महत्व है और हर भाषा महत्वपूर्ण है। परन्तु जहां तक हिंदी की बात है तो यह हमारी राजभाषा है और इसका उपयोग अधिक से अधिक होना चाहिए। विश्वविद्यालय में आयोजित हिंदी पखवाड़े के उद्घाटन के अवसर पर जैवप्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से विज्ञान और हिंदी विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता के तौर पर महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक के पत्रकारिता व जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. हरीश कुमार ने विद्यार्थियों व शिक्षकों का ज्ञानवर्धन किया। उन्होंने बताया कि किस तरह से तकनीक के क्षेत्र में हिंदी की पहुंच बढ़ रही है और विज्ञान किसी भाषा विशेष का मोहताज नहीं है। पुरातन काल में हिंदी में ही विज्ञान की व्याख्या देखने को मिलती है। जहां तक बदलते दौर की बात है तो इंटरनेट क्रांति के चलते आज स्मार्ट फोन पर हिंदी में उपलब्ध सामग्री लोगों को खूब भा रही है और बाजार की मांग को देखते हुए इसका महत्व बढ़ा है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. बीर सिंह ने कहा कि हिंदी आज से नहीं बल्कि सदियों से आपसी संवाद का एक महत्त्वपूर्ण माध्यम रही है। भाषा के संदर्भ में इतना कहना पर्याप्त है कि यह आपस में संवाद सेतु के तौर पर कार्य करती है। कार्यक्रम के अध्यक्ष स्वामी दयानन्द सरस्वती पीठाचार्य प्रो. रणवीर सिंह ने कहा कि भाषा आपसी संवाद में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करती है और जरूरी है कि इसके लिए संकल्प के साथ कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि हिंदी पखवाड़ा के शुभारंभ के मौके पर संकल्प लेता हूं कि मैं हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए हरसंभव प्रयास करूंगा। विश्वविद्यालय में आगामी 24 सितंबर तक आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा शिक्षा पीठ की सहायक आचार्य डा. पूजा वालिया ने प्रस्तुत की। मंच का संचालन हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग के प्रभारी डा. अमित कुमार ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन जैवप्रौद्योगिकी विभाग के सह-आचार्य डा. कश्यप कुमार दुबे ने प्रस्तुत किया। इस मौके पर शिक्षा विभाग की प्रो. सारिका शर्मा व शिक्षा पीठ की प्रो. नीरजा धनखड़ आदि उपस्थित रहे।

- 24 सितम्बर तक होंगे विभिन्न आयोजन

महेंद्रगढ़। दीप प्रज्ज्वलित कर हिंदी पखवाड़े का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़। *फोटो: हरिभूमि*

'हिंदी के प्रचार-प्रसार की ओर अग्रसर है हकेंवि'

विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़े का शुभारंभ, हिंदी भाषा का अधिकाधिक प्रयोग करने का किया आह्वान

अमर उजाला ब्यूरो

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़े का शुभारंभ करते कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़।

हिंदी पखवाड़े में उपस्थित विद्यार्थी।

महेंद्रगढ़। राजभाषा हिंदी के प्रचार प्रसार की दिशा में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय तेजी से अग्रसर है। विश्वविद्यालय में इस दिशा में जारी प्रयासों का नतीजा है कि कार्यालय गतिविधियों में हिंदी का उपयोग बढ़ा है और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के माध्यम से विश्वविद्यालय स्थानीय निकायों को भी हिंदी के प्रयोग में सहयोग प्रदान कर रहा है। ये बातें हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने विश्वविद्यालय में राजभाषा अनुभाग की ओर से आयोजित हिंदी पखवाड़ा 10 से 24 सितंबर के उद्घाटन के अवसर पर कही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. कुहाड़ ने कहा कि भाषा का अपना एक अलग महत्व है और हर भाषा महत्वपूर्ण है लेकिन जहां तक हिंदी की बात है तो यह हमारी राजभाषा है और इसका उपयोग अधिक से अधिक होना चाहिए।

विश्वविद्यालय में आयोजित हिंदी पखवाड़े के उद्घाटन के अवसर पर जैव प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से विज्ञान और हिंदी विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता के तौर पर महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के पत्रकारिता और जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. हरीश कुमार ने विद्यार्थियों, शिक्षकों का ज्ञानवर्धन किया। उन्होंने बताया कि किस तरह से तकनीक के क्षेत्र में हिंदी की पहुंच बढ़ रही है। पुरातन काल में हिंदी में ही विज्ञान की व्याख्या देखने को मिलती है।

जहां तक बदलते दौर की बात है तो इंटरनेट क्रांति के चलते आज स्मार्ट फोन पर हिंदी में उपलब्ध सामग्री लोगों को खूब भा रही हैं और बाजार की मांग को देखते हुए इसका महत्व बढ़ा है। कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. बीर सिंह ने कहा कि हिंदी आज से नहीं बल्कि सदियों से आपसी संवाद का एक महत्वपूर्ण माध्यम रही है। भाषा के संदर्भ में इतना कहना पर्याप्त है कि यह आपस में संवाद सेतु के तौर पर कार्य करती है।

विश्वविद्यालय में आगामी 24 सितंबर तक आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा शिक्षा पीठ की सहायक आचार्य डॉ. पूजा वालिया ने प्रस्तुत की। मंच संचालन हिंदी और भारतीय भाषा विभाग के प्रभारी डॉ. अमित कुमार ने किया और धन्यवाद ज्ञापन जैव प्रौद्योगिकी विभाग के सह-आचार्य डॉ. कश्यप कुमार दुबे ने प्रस्तुत किया। इस मौके पर शिक्षा विभाग की प्रो. सारिका शर्मा और शिक्षा पीठ की प्रो. नीरजा धनखड़ सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, शिक्षणेत्तर कर्मचारी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चीन की तरह आगे बढ़ने की दी नसीहत

प्रो. बीर सिंह ने चीन का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने अपनी भाषा में तकनीक का विकास किया है और उनसे सीखते हुए हमें भी इस दिशा में गंभीरता के साथ आगे बढने की जरूरत है। कार्यक्रम के अध्यक्ष स्वामी दयानंद सरस्वती पीठाचार्य प्रो. रणवीर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि भाषा आपसी संवाद में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है और जरूरी है कि इसके लिए संकल्प के साथ कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि हिंदी पखवाड़ा के शुभारंभ के मौके पर संकल्प लेता हूं कि मैं हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए हरसंभव प्रयास करूंगा।

हिंदी के प्रचार और प्रसार में अग्रसर केंद्रीय विवि : कुहाड़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़े का हुआ शुभारंभ

जागरण संवाददाता, महेंद्रगढ़ : राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार की दिशा में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ तेजी से अग्रसर है। विश्वविद्यालय में इस दिशा में जारी प्रयासों का नतीजा है कि कार्यालयीन गतिविधियों में हिंदी का उपयोग बढ़ा है और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के माध्यम से विश्वविद्यालय स्थानीय निकायों को भी हिंदी के प्रयोग में सहयोग प्रदान कर रहा है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.आरसी कुहाड़ ने विश्वविद्यालय में राजभाषा अनुभाग की ओर से 10 से 24 सितंबर तक आयोजित होने वाले हिंदी पखवाड़ा के उद्घाटन के अवसर पर कही।

मुख्य वक्ता का स्वागत करते कुलपति डॉ. आरसी कुहाड़ ● जागरण

प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि भाषा का अपना एक अलग महत्व है और हर भाषा महत्वपूर्ण है, परन्तु हिंदी हमारी राजभाषा है और इसका उपयोग अधिक से अधिक होना चाहिए। विश्वविद्यालय में आयोजित हिंदी पखवाड़े के उद्घाटन के अवसर पर जैव प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से विज्ञान और हिंदी विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में एमडीयू रोहतक के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. हरीश कुमार ने ज्ञानवर्धन किया। उन्होंने बताया कि किस तरह से तकनीक के क्षेत्र में हिंदी की पहुंच बढ़ रही है और विज्ञान किसी भाषा विशेष का मोहताज नहीं है। पुरातन काल में हिंदी में ही विज्ञान की व्याख्या देखने को मिलती है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. बीर सिंह ने कहा कि हिंदी आज से नहीं बल्कि सदियों से आपसी संवाद का एक महत्वपूर्ण माध्यम रही है। भाषा के संदर्भ में इतना कहना पर्याप्त है कि यह आपस में संवाद सेतु के तौर पर कार्य करती है। कार्यक्रम के अध्यक्ष स्वामी दयानन्द सरस्वती पीठाचार्य प्रो. रणवीर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि भाषा आपसी संवाद में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है।

विश्वविद्यालय में आगामी 24 सितंबर तक आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा शिक्षापीठ की सहायक आचार्य डॉ. पूजा वालिया ने प्रस्तुत की। मंच का संचालन हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग के प्रभारी डॉ. अमित कुमार ने किया। विभाग के सहआचार्य डॉ. कश्यप कुमार दुबे ने प्रस्तुत किया। इस मौके पर शिक्षा विभाग की प्रोफेसर सारिका शर्मा व शिक्षापीठ की प्रोफेसर नीरजा धनखड़ आदि मौजूद थे।

केंद्रीय विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़े का शुभारंभ, कुलपति बोले-

कार्यालयीन गतिविधियों में बढ़ा हिंदी का उपयोग

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार की दिशा में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय तेजी से अग्रसर है। विवि में इस दिशा में जारी प्रयासों का नतीजा है कि कार्यालयीन गतिविधियों में हिंदी का उपयोग बढ़ा है और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के माध्यम से विश्वविद्यालय स्थानीय निकायों को भी हिंदी के प्रयोग में सहयोग प्रदान कर रहा है। राजभाषा अनुभाग की ओर से आयोजित हिंदी पखवाड़े का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि भाषा का अपना एक अलग महत्त्व है और हर भाषा महत्त्वपूर्ण है। परन्तु जहां तक हिंदी की बात है तो यह हमारी राजभाषा है और इसका उपयोग अधिक से अधिक होना चाहिए। इस अवसर पर जैवप्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से 'विज्ञान और हिंदी' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता एमडीयू के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. हरीश कुमार ने विद्यार्थियों व शिक्षकों का ज्ञानवर्धन किया। उन्होंने बताया कि किस तरह से तकनीक के क्षेत्र में हिंदी की पहुंच बढ़ रही है और विज्ञान किसी भाषा विशेष का मोहताज नहीं है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. बीर सिंह ने कहा कि हिंदी आज से नहीं, बल्कि सदियों से आपसी संवाद का एक महत्त्वपूर्ण माध्यम रही है। कार्यक्रम के अध्यक्ष स्वामी दयानन्द सरस्वती पीठाचार्य प्रो. रणबीर सिंह ने कहा कि भाषा आपसी संवाद में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। शिक्षा पीठ की सहायक आचार्य डॉ. पूजा वालिया ने कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। मंच का संचालन डॉ. अमित कुमार ने किया। धन्यवाद ज्ञापन जैवप्रौद्योगिकी विभाग के सह-आचार्य डॉ. कश्यप कुमार दुबे ने किया।

महेंद्रगढ़. स्मृति चिह्न भेंट कर मुख्य वक्ता प्रो. हरीश कुमार का स्वागत करते कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़।

हकेंविवि में हिंदी पखवाड़े की धूम प्रतियोगिताएं आयोजित, बोले प्रो. रणवीर

एकाएक विषय पर बिना किसी तैयारी के पांच मिनट तक बोलना प्रशंसनीय

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व विभिन्न विभागों के सहयोग से 24 सितंबर तक हिंदी पखवाड़ा-2018 मनाया जा रहा है। इस पखवाड़े के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन लगातार जारी है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय लगातार हिंदी के प्रचार-प्रसार की दिशा में अग्रसर है और न सिर्फ हिंदी पखवाड़ा बल्कि विश्वविद्यालय साल भर हिंदी के कार्यालयीन प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए कार्यशालाओं व प्रतियोगिताओं का आयोजन करता रहता है। हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत 12 सितंबर को स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

पखवाड़े के समन्वयक प्रो. रणवीर सिंह ने बताया कि जब प्रतिभागी अपनी-अपनी कविता सुना रहे थे, तो ऐसा लग रहा था, जैसे कोई कवि सम्मेलन हो। इसी तरह 13 सितंबर को शिक्षणेतर कर्मचारियों के लिए तत्क्षण वक्तव्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पखवाड़े के समन्यवयक प्रो. रणवीर सिंह ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि एकाएक विषय पर बिना किसी तैयारी के पांच मिनट तक बोलना प्रशंसनीय है। प्रतियोगिता में कुल आठ विषय रखे गए थे। जिसमें मेरे प्रिय लेखक, मेरी प्रिय पुस्तक, भाषा और संस्कृति का अंतसंबंध, हिन्दी को राष्ट्रभाषा कैसे बनाया जाए, हिंदी, अनुवाद का महत्व, कार्यालयों को अंग्रेजी से मुक्त कैसे किया जाए तथा आपको हिंदी क्यों अच्छी लगती है शामिल रहे।

स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल के सदस्यों में डा. सिद्धार्थ शंकर राय, अर्चना यादव एवं डा. रीनू शामिल रहे। प्रतियोगिता में नरेश कुमार ने प्रथम पुरस्कार, मोनिका शर्मा एवं आशा खर्कवाल को द्वितीय पुरस्कार, गतु सिंह को तृतीय पुरस्कार तथा आलोक कुमार ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। 18 सितंबर को विश्वविद्यालय के स्कूली छात्रों हेतु निबंध प्रतियोगिता, 19 सितंबर को स्लोगन एवं कहानी लिखो प्रतियोगिता, 20 सितंबर को विवि के विद्यार्थियों के लिए निबंध प्रतियोगिता आयोजित है। 24 सितंबर को समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया जाएगा।

महेंद्रगढ़। हकेंविवि में हिंदी पखवाडें के तहत आयोजित स्वंय रचित कविता पाठ के विजेता।

वक्तव्य स्पर्धा में गौरव प्रथम

इसी तरह तत्क्षण वक्तव्य प्रतियोगिता के निर्णायकों में प्रो. राजेश कुमार मलिक, प्रो. अमर सिंह एवं प्रो. नीरजा धनखड़ शामिल रहे। इस प्रतियोगिता में गौरव ने प्रथम, पवन कुमार ने द्वितीय और रामवीर गुर्जर ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। कार्यक्रम समन्वयक ने बताया कि 14 सितंबर को हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में केंद्रीय पुस्तकालय और पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के सहयोग से पुस्तकालय विज्ञान में हिंदी का प्रयोग एवं उसका महत्व विषय पर कार्यशाला आयोजित की जाएगी।

हकेंवि में हिंदी पखवाड़ा के तहत हुई विभिन्न प्रतियोगिताएं

स्वरचित कविता पाठ में नरेश प्रथम

महेंद्रगढ़. हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत आयोजित स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता के विजेता निर्णायक मंडल के साथ।

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व विभिन्न विभागों के सहयोग से 24 सितम्बर तक हिन्दी पखवाड़ा-2018 मनाया जा रहा है। हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत 12 सितम्बर को स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पखवाड़े के समन्वयक प्रो. रणवीर सिंह ने बताया कि जब प्रतिभागी अपनी-अपनी कविता सुना रहे थे, तो ऐसा लग रहा था, जैसे कोई कवि सम्मेलन हो। इसी तरह 13 सितम्बर को शिक्षणेतर कर्मचारियों के लिए तत्क्षण वक्तव्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल आठ विषय रखे गए थे। जिसमें मेरे प्रिय लेखक, मेरी प्रिय पुस्तक, भाषा और संस्कृति का अंतर्संबंध, हिन्दी को राष्ट्रभाषा कैसे बनाया जाए, हिन्दी, अनुवाद का महत्व, कार्यालयों को अंग्रेजी से मुक्त कैसे किया जाए और आपको हिंदी क्यों अच्छी लगती है शामिल रहे। प्रतिभागियों ने इस प्रतियोगिता में बड़े उत्साह से भाग लिया। प्रतियोगिता में नरेश कुमार ने प्रथम पुरस्कार, मोनिका शर्मा एवं आशा खर्कवाल को द्वितीय पुरस्कार, ऋतु सिंह को तृतीय पुरस्कार तथा आलोक कुमार ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। इसी तरह तत्क्षण वक्तव्य प्रतियोगिता के निर्णायकों में प्रो. राजेश कुमार मलिक, प्रो. अमर सिंह एवं प्रो. नीरजा धनखड़ शामिल रहे। प्रतियोगिता में गौरव ने प्रथम, पवन कुमार ने द्वितीय और रामवीर गुर्जर ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। कार्यक्रम समन्वयक ने बताया कि 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में केन्द्रीय पुस्तकालय और पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के सहयोग से 'पुस्तकालय विज्ञान में हिन्दी का प्रयोग एवं उसका महत्व' विषय पर कार्यशाला होगी। आगामी 18 सितम्बर को विश्वविद्यालय के स्कूली छात्रों के लिए निबंध प्रतियोगिता, 19 सितम्बर को स्लोगन एवं कहानी लिखो प्रतियोगिता, 20 सितम्बर को विवि के विद्यार्थियों के लिए निबंध प्रतियोगिता आयोजित है। 24 सितंबर को समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया जाएगा।

हिंदी पखवाड़े के तहत हुई तत्क्षण वक्तव्य में गौरव प्रथम

जागरण संवाददाता, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत स्वरचित कविता पाठ व तत्क्षण वक्तव्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पखवाड़े के समन्वयक प्रो. रणवीर सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में कुल आठ विषय रखे गए थे जिसमें मेरे प्रिय लेखक, मेरी प्रिय पुस्तक, भाषा और संस्कृति का अंतर्संबंध, हिन्दी को राष्ट्रभाषा कैसे बनाया जाए, हिन्दी, अनुवाद का महत्व, कार्यालयों को अंग्रेजी से मुक्त कैसे किया जाए और आपको हिंदी क्यों अच्छी लगती है शामिल रहे। स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, सुश्री अर्चना यादव एवं डॉ. रीनू शामिल रहे।

इस प्रतियोगिता में नरेश कुमार ने प्रथम पुरस्कार, मोनिका शर्मा व आशा खर्कवाल ने द्वितीय, ऋतु सिंह को तृतीय तथा आलोक कुमार को चतुर्थ स्थान मिला। इसी तरह तत्क्षण वक्तव्य प्रतियोगिता के निर्णायकों में प्रो. राजेश कुमार मलिक, प्रो. अमर सिंह एवं प्रो. नीरजा धनखड़ शामिल रहे। इस प्रतियोगिता में गौरव ने प्रथम, पवन कुमार ने द्वितीय और रामवीर गुर्जर ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। कार्यक्रम समन्वयक ने बताया कि 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में केन्द्रीय पुस्तकालय और पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के सहयोग से पुस्तकालय विज्ञान में हिन्दी का प्रयोग एवं उसका महत्व विषय पर कार्यशाला आयोजित की जाएगी।

हिंदी पखवाड़े के दूसरे दिन निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंविवि), महेंद्रगढ़ के राजभाषा अनुभाग और विभिन्न विभागों के सहयोग से आगामी 24 सितंबर तक हिंदी पखवाड़ा मनाया जा रहा है। शिक्षणेतर कर्मचारियों के लिए तत्क्षण वक्तव्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रो. रणवीर सिंह ने इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की सराहना करते हुए बिना किसी तैयारी के पांच मिनट तक बोलना प्रशंसनीय है। इस प्रतियोगिता में कुल आठ विषय रखे गए थे जिसमें मेरे प्रिय लेखक, मेरी प्रिय पुस्तक, हिंदी को राष्ट्रभाषा कैसे बनाया जाए, हिंदी अनुवाद का महत्व, कार्यालयों को अंग्रेजी से मुक्त कैसे किया जाए और आपको हिंदी क्यों अच्छी लगती है शामिल रहे। स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल के सदस्यों में डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, सुश्री अर्चना यादव एवं डॉ. रीनू शामिल रहे।

छात्रों ने पुस्तकालय विज्ञान में हिंदी का प्रयोग जाना

महेंद्रगढ़. हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यशाला में दीप प्रज्ज्वलित करते डॉ. वीवी सिंह। साथ में प्रो. रणवीर सिंह प्रो. बीर सिंह व प्रो. अमर सिंह।

महेंद्रगढ़ | हिंदी हमारी राजभाषा है और इसे कार्यालयों में इस्तेमाल करने के साथ-साथ इसके प्रचार-प्रसार के लिए आवश्यक है कि हम इसका सम्मान करें। यह कहना है दिल्ली विवि के केंद्रीय पुस्तकालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. डीवी सिंह का। उन्होंने अपने ये विचार शुक्रवार को हिंदी दिवस के मौके पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में 'पुस्तकालय विज्ञान में हिंदी का प्रयोग एवं महत्त्व' विषय पर आयोजित कार्यशाला में व्यक्त किए। कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने सहभागियों को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दी और कहा कि हिंदी का प्रयोग ज्यादा से ज्यादा करें, ताकि राजभाषा हिंदी का प्रचार-प्रसार तीव्र गति से हो।

हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग तथा केंद्रीय पुस्तकालय के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी दिवस पर विद्यार्थियों, शिक्षकों व शैक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए विशेष व्याख्यान व कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. बीर सिंह ने कहा कि संविधान में हिंदी के साथ-साथ अंग्रेजी के प्रयोग को कुछ समय के लिए ही स्वीकार किया गया था, लेकिन अंग्रेजी कार्यालयों की भाषा बनी रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के प्रो. रणवीर सिंह ने की। उन्होंने कहा कि हिंदी राजभाषा है और इसका प्रयोग करने में जरा भी शर्म महसूस नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंदी का प्रयोग अधिक से अधिक होना चाहिए और इस काम में विद्यार्थियों की भूमिका बेहद अहम है, क्योंकि विद्यार्थी ही हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करके अंग्रेजी के प्रभाव को कम कर सकते हैं। प्रो. रणवीर सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए इस कार्यक्रम में शामिल मुख्य वक्ता का आभार व्यक्त किया। प्रो. अमर सिंह सहित पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. पवन कुमार सैनी, सहायक आचार्य अमित कुमार, सुश्री सपना, केंद्रीय पुस्तकालय के अधिकारी व कर्मचारी, विद्यार्थी व शिक्षक रहे।

राजभाषा का करें सम्मानः डा. डीवी

■ हिंदी का प्रयोग ज्यादा से ज्यादा करें : प्रो.आरसी कुहाड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हिंदी हमारी राजभाषा है और इसे कार्यालयों में इस्तेमाल करने के साथ-साथ इसके प्रचार-प्रसार के लिए आवश्यक है कि हम इसका सम्मान करें। यह कहना है दिल्ली विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय के पुस्तकाल्याध्यक्ष डा. डीवी. सिंह का। उन्होंने अपने ये विचार शुक्रवार को हिंदी दिवस के मौके पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में पुस्तकालय विज्ञान में हिंदी का प्रयोग एवं महत्व विषय पर आयोजित कार्यशाला में व्यक्त किए।

दी शुभकामनाएं

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.आरसी कुहाड़ ने सभी सहभागियों को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दी और कहा कि हिंदी का प्रयोग ज्यादा से ज्यादा करें, ताकि राजभाषा हिंदी का प्रचार-प्रसार तीव्र गति से हो। हिंदी पखवाड़ा 2018 के अंतर्गत विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग तथा केंद्रीय पुस्तकालय के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेतर कर्मचारियों के लिए विशेष व्याख्यान व कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. बीर सिंह ने कहा कि संविधान में हिंदी के साथ-साथ अंग्रेजी के प्रयोग को कुछ समय के लिए ही स्वीकार किया गया था लेकिन अंग्रेजी कार्यालयों की भाषा बनी रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के प्रो. रणवीर सिंह ने की। कार्यक्रम के दौरान प्रो. अमर सिंह सहित पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के प्रभारी डा. पवन कुमार सैनी, सहायक आचार्य अमित कुमार, सपना, केंद्रीय पुस्तकालय के अधिकारी व कर्मचारी, विद्यार्थी व शिक्षक भारी संख्या में उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। हिंदी दिवस पर आयोजित कार्यशाला में दीप प्रज्ज्वलित करते डा. डीवी सिंह। *फोटो : हरिभूमि*

राजभाषा का सभी सम्मान करें : डॉ. डीवी. सिंह

अमर उजाला ब्यूरो

महेंद्रगढ़। हिंदी हमारी राजभाषा है और इसे कार्यालयों में इस्तेमाल करने के साथ-साथ इसके प्रचार की आवश्यकता है। यह कहना है दिल्ली विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय के डॉ. डीवी सिंह का।

उन्होंने अपने ये विचार शुक्रवार को हिंदी दिवस के मौके पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय पुस्तकालय विज्ञान में हिंदी का प्रयोग और महत्व विषय पर आयोजित कार्यशाला में व्यक्त किए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने सभी सहभागियों को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दी और कहा कि हिंदी का प्रयोग ज्यादा से ज्यादा करें ताकि राजभाषा हिंदी का प्रचार-प्रसार तीव्र गति से हो। हिंदी पखवाड़ा-2018 के अंतर्गत विवि के राजभाषा अनुभाग, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग, केंद्रीय पुस्तकालय के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों, शिक्षकों और शिक्षणेतर कर्मचारियों के लिए विशेष व्याख्यान व कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रो. अमर सिंह सहित पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. पवन कुमार सैनी, सहायक आचार्य अमित कुमार, सुश्री सपना, केंद्रीय पुस्तकालय के अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी और शिक्षक उपस्थित थे।

कार्यशाला में दीप प्रज्ज्वलित करते हुए डा. डीवी सिंह व अन्य।

हकेंवि में हिंदी पखवाड़े का समापन

प्रतियोगिता के विजेताओं को कुलपति आरसी कुहाड़ ने किया सम्मानित

जागरण संवाददाता, महेंद्रगढ़ :हिंदी हिंदुस्तान की आत्मा है। यह वह भाषा है जिसके माध्यम से आपसी संवाद की प्रक्रिया बेहद सहज हो जाती है और यह हमें अपनी पुरातन संस्कृति को जानने समझने में मददगार साबित होती है। किसी भी समाज के विकास में भाषा का अहम महत्व होता है इसलिए इसे नकारा नहीं जा सकता। जहां तक बात हिंदी की है तो यह भारत की राजभाषा है और इसकी स्वीकार्यता न सिर्फ भारत बल्कि विदेशों में भी तेजी से बढ़ रही है।

यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने 10 से 24 सितंबर तक आयोजित हिंदी पखवाड़ा-2018 के समापन में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड-तीन में हिंदी पखवाड़े के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में कुलपति ने कहा कि हिंदी हमारी मातृभाषा है और इसका प्रचार-प्रसार हमारा कर्तव्य है। भले ही हिंदी की अपेक्षा अन्य भाषाओं का वर्चस्व भारत में देखने को मिलता है। बावजूद इसके हिंदी के प्रयोग को नकारना उचित नहीं है। कुलपति ने विश्वविद्यालय में आयोजित हिंदी पखवाड़े के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने वाले व पुरस्कार पाने वाले प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के तौर पर अकादमिक अधिष्ठाता प्रो. बीर सिंह ने हिंदी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विश्वविद्यालय में लगातार हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए जारी प्रयासों की सराहना की और कहा कि इस दिशा में कुलपति स्वयं सदैव तत्पर रहते हैं। हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक व स्वामी दयानन्द सरस्वती पीठ के पीठाचार्य प्रो. रणवीर सिंह ने हिंदी को हिंदुस्तान की भाषा बताते हुए कहा कि यह हमारी मां-बोली है इसलिए इससे प्रेम करें और इसके प्रचार-प्रसार में हर संभव योगदान दें। प्रो. रणवीर सिंह ने कहा कि यह आयोजन कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ के मार्गदर्शन से ही संभव हो सका है। हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. रणवीर सिंह ने बताया कि कार्यक्रम के समापन सत्र में विभिन्न प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र व नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसमें कविता पाठ प्रतियोगिता में नरेश कुमार को प्रथम, मोनिका शर्मा व आशा खर्कवाल को द्वितीय, ऋतु सिंह को तृतीय व आलोक कुमार को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए गए। इसी तरह तत्क्षण वक्तव्य में गौरव, पवन कुमार व रामवीर गुर्जर को क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए। विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के राजकीय स्कूल के विद्यार्थियों के लिए आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पाली की आंचल प्रथम, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मालड़ा की सोमवती द्वितीय, राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धोली की विनि तृतीय तथा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जांट की शीतल को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। इसी क्रम में स्लोगन प्रतियोगिता में ललित नारायण, सुनील कुमार, चंद्रशेखर नागर व हर्षित वर्मा को क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय व प्रोत्साहन पुरस्कार दिए गए। कहानी लेखन प्रतियोगिता में सुनील कुमार प्रथम, दिव्या सिंह द्वितीय, ऐश्वर जोशी तृतीय व कुमारी ज्योति को प्रोत्साहन पुरस्कार दिए गए।

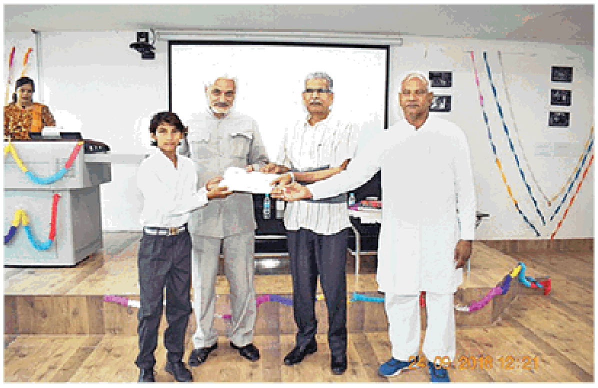

कार्यक्रम में विजेता छात्रा को सम्मानित करते प्रो . आरसी कुहाड़ ● जागरण

हकेंवि के विद्यार्थियों के लिए आयोजित निबंध प्रतियोगिता में चंद्रशेखर नागर प्रथम, अंकित द्वितीय, कुमारी ज्योति तृतीय तथा बबिता को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया। समापन कार्यक्रम में प्रो. अमर सिंह, डॉ. प्रमोद कुमार सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, शिक्षणेतर कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन शिक्षा पीठ की सहायक आचार्य डॉ. पूजा वालिया ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. रणवीर सिंह ने किया।

भास्कर खास • हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में चल रहा हिंदी पखवाड़ा-2018 संपन्न, कुलपति प्रो. कुहाड़ बोले-

हिंदुस्तान की आत्मा है 'हिंदी', विदेशों में भी बढ़ रही स्वीकार्यता

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हिंदी हिंदुस्तान की आत्मा है, यह वह भाषा है जिसके माध्यम से आपसी संवाद की प्रक्रिया बेहद सहज हो जाती है और यह हमें अपनी पुरातन संस्कृति को जानने समझने में मददगार साबित होती है। किसी भी समाज के विकास में भाषा का अहम महत्त्व होता है इसलिए इसे नकारा नहीं जा सकता। जहां तक बात हिंदी की है तो यह भारत की राजभाषा है और इसकी स्वीकार्यता न सिर्फ भारत बल्कि विदेशों में भी तेजी से बढ़ रही है, यह कहना है हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ का। उन्होंने अपने ये विचार विश्वविद्यालय में 10 से 24 सितंबर के बीच आयोजित हिंदी पखवाड़ा-2018 के समापन में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड-3 में हिंदी पखवाड़े के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में कुलपति ने कहा कि हिंदी हमारी मातृभाषा है और इसका प्रचार-प्रसार हमारा कर्त्तव्य है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के तौर पर अकादमिक अधिष्ठाता प्रो. वीर सिंह ने हिंदी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विश्वविद्यालय में लगातार हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए जारी प्रयासों की सराहना की और कहा कि इस दिशा में कुलपति स्वयं सदैव तत्पर रहते हैं। हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक व स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के पीठाचार्य प्रो. रणवीर सिंह ने हिंदी को हिंदुस्तान की भाषा बताते हुए कहा कि यह हमारी माँ-बोली है इसलिए इससे प्रेम करें और इसके प्रचार-प्रसार में हर संभव योगदान दें।

विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांव के विजेता विद्यार्थी को पुरस्कृत करते कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़

प्रतियोगिता के विजेताओं को कुलपति ने किया सम्मानित

हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. रणवीर सिंह ने बताया कि कार्यक्रम के समापन सत्र में विभिन्न प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र व नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसमें कविता पाठ में नरेश कुमार को प्रथम, मोनिका शर्मा व आशा खर्कवाल को द्वितीय, ऋतु सिंह को तृतीय व आलोक कुमार को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए गए। इसी तरह तत्क्षण वक्तव्य में गौरव, पवन कुमार व रामवीर गुर्जर को क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए। विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के राजकीय स्कूल के विद्यार्थियों के लिए आयोजित निबंध लेखन में रावमा विद्यालय पाली की आंचल प्रथम, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मालड़ा की सोमवती द्वितीय, राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धोली की विनि तृतीय तथा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जांट की शीतल को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। इसी क्रम में स्लोगन प्रतियोगिता में ललित, सुनील कुमार, चंद्रशेखर नागर व हर्षित वर्मा को क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय व प्रोत्साहन पुरस्कार दिए गए। कहानी लेखन में सुनील कुमार प्रथम, दिव्या सिंह द्वितीय, ऐश्वर्या जोशी तृतीय व कुमारी ज्योति को प्रोत्साहन पुरस्कार दिए गए। हकेंवि के विद्यार्थियों के लिए आयोजित निबंध में चंद्रशेखर नागर प्रथम, अंकित द्वितीय, कुमारी ज्योति तृतीय तथा बविता को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया। समापन कार्यक्रम में प्रो. अमर सिंह, डॉ. प्रमोद कुमार सहित विव के शिक्षकगण, शिक्षणेत्तर कर्मी व विद्यार्थी उपस्थित रहे। मंच संचालन शिक्षा पीठ की सहायक आचार्य डॉ. पूजा वालिया व धन्यवाद ज्ञापन प्रो. रणवीर सिंह ने किया।

सेवा भावना से काम करें स्वयंसेवक : प्रो. कुहाड़

महेंद्रगढ़ | हकेंवि की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने एनएसएस दिवस मनाया। वीसी प्रो. आरसी कुहाड़ ने स्वयंसेवकों को सेवाभाव से काम करने का संदेश दिया। तत्पश्चात छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. राजेश कुमार मलिक व एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रेनु यादव ने विद्यार्थियों को समाजसेवा के विषय पर संबोधित किया। मुख्य वक्ता जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, नारनौल के जिला सलाहकार मंगतूराम ने जल संरक्षण व स्वच्छता के महत्त्व पर चर्चा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता एनएसएस इकाई के समन्वयक डॉ. दिनेश चहल ने की।

हिंदी पखवाड़ा का समापन बोले प्रो. आरसी कुहाड़

हिंदी हमारी मातृभाषा, इसका प्रचार-प्रसार करना हमारा कर्त्तव्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हिंदी हिंदुस्तान की आत्मा है। यह वह भाषा है जिसके माध्यम से आपसी संवाद की प्रक्रिया बेहद सहज हो जाती है और यह हमें अपनी पुरातन संस्कृति को जानने समझने में मददगार साबित होती है। किसी भी समाज के विकास में भाषा का अहम महत्व होता है इसलिए इसे नकारा नहीं जा सकता।

जहां तक बात हिंदी की है तो यह भारत की राजभाषा है और इसकी स्वीकार्यता न सिर्फ भारत बल्कि विदेशों में भी तेजी से बढ़ रही है, यह कहना है हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ का। उन्होंने अपने ये विचार विश्वविद्यालय में 10 से 24 सितंबर के बीच आयोजित हिंदी पखवाड़ा-2018 के समापन में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड-3 में हिंदी पखवाड़े के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में कुलपति ने कहा कि हिंदी हमारी मातृभाषा है और इसका प्रचार-प्रसार हमारा कर्त्तव्य है। भले ही हिंदी की अपेक्षा अन्य भाषाओं का वर्चस्व भारत में देखने को मिलता है। बावजूद, इसके हिंदी के प्रयोग को नकारना उचित नहीं है।

विजेताओं को किया सम्मानित

महेंद्रगढ़। विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांव के विद्यार्थियों को सम्मानित करते प्रो. कुलपति आरसी कुहाड़ व अन्य। *फोटो : हरिभूमि*

शुभकामनाएं दी

कुलपति ने विश्वविद्यालय में आयोजित हिंदी पखवाड़े के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने वाले व पुरस्कार पाने वाले प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी। विशिष्ट अतिथि के तौर पर अकादमिक अधिष्ठाता प्रो. बीर सिंह ने हिंदी के महत्त्व पर प्रकाश डाला। हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक प्रो. रणवीर सिंह ने बताया कि समापन सत्र में विभिन्न प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र व नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसमें कविता पाठ प्रतियोगिता में नरेश कुमार को प्रथम, मोनिका शर्मा व आशा खर्कवाल को द्वितीय व आलोक कुमार को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए गए। इसी तरह तत्क्षण वक्तव्य में गौरव, पवन कुमार व रामवीर गुर्जर को क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए। इस मौके पर प्रो. अमर सिंह, डा. प्रमोद कुमार सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, शिक्षणेतर कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

निबंध में आंचल प्रथम

विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के राजकीय स्कूल के विद्यार्थियों के लिए आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पाली की आंचल प्रथम, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मालड़ा की सोमवती द्वितीय, राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धोली की विनि तृतीय तथा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जांट की शीतल को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। इसी क्रम में स्लोगन प्रतियोगिता में ललित नारायण, सुनील कुमार, चंद्रशेखर नागर व हर्षित वर्मा को क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय व प्रोत्साहन पुरस्कार दिए गए। कहानी लेखन प्रतियोगिता में सुनील कुमार प्रथम, दिव्या सिंह द्वितीय, ऐश्वर्या जोशी तृतीय व कुमारी ज्योति को प्रोत्साहन पुरस्कार दिए गए। हकेंवि के विद्यार्थियों के लिए आयोजित निबंध प्रतियोगिता में चंद्रशेखर नागर प्रथम, अंकित द्वितीय, कुमारी ज्योति तृतीय तथा बबिता को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया।

'हिंदुस्तान की आत्मा है हिंदी'

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़े का समापन

अमर उजाला ब्यूरो

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में 10 से 24 सितंबर के बीच आयोजित हिंदी पखवाड़ा-2018 का विधिवत समापन किया गया। इस मौके पर मुख्यातिथि विवि के कुलपति आरसी कुहाड़ ने की। इस मौके पर आरसी कुहाड़ ने कहा कि हिंदी हिंदुस्तान की आत्मा है। यह वह भाषा है जिसके माध्यम से आपसी संवाद की प्रक्रिया बेहद सहज हो जाती है और यह हमें अपनी पुरातन संस्कृति को जानने समझने में मददगार साबित होती है। किसी भी समाज के विकास में भाषा का अहम महत्व होता है, इसलिए इसे नकारा नहीं जा सकता। जहां तक बात हिंदी की है तो यह भारत की राजभाषा है और इसकी स्वीकार्यता न सिर्फ भारत बल्कि विदेशों में भी तेजी से बढ़ रही है।

हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति के समन्वयक और स्वामी दयाननंद सरस्वती पीठ के पीठाचार्य प्रो. रणवीर सिंह ने हिंदी को हिंदुस्तान की भाषा बताते हुए कहा कि यह हमारी मां-बोली है इसलिए इससे प्रेम करें और इसके प्रचार-प्रसार में हर संभव योगदान दें। कविता पाठ प्रतियोगिता में नरेश कुमार को प्रथम, मोनिका शर्मा, आशा खर्कवाल को द्वितीय, ऋतु सिंह को तृतीय और आलोक कुमार को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए गए। इसी तरह तत्क्षण वक्तव्य में गौरव, पवन कुमार और रामवीर गुर्जर को क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए। विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के राजकीय स्कूल के विद्यार्थियों के लिए आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पाली की आंचल प्रथम, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मालड़ा की सोमवती द्वितीय, राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धौली की विनि तृतीय रही। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जांट की शीतल को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। स्लोगन प्रतियोगिता में ललित नारायण, सुनील कुमार, चंद्रशेखर नागर और हर्षित वर्मा को क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय और प्रोत्साहन पुरस्कार दिए गए। कहानी लेखन प्रतियोगिता में सुनील कुमार प्रथम, दिव्या सिंह द्वितीय, ऐश्वर्या जोशी तृतीय रही। हकेंविवि के विद्यार्थियों के लिए आयोजित निबंध प्रतियोगिता में चंद्रशेखर नागर प्रथम, अंकित द्वितीय, कुमारी ज्योति तृतीय रही।

हकेंविवि में छात्रा को सम्मानित करते कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ व अन्य।

सेवा भावना से काम करें स्वयंसेवक : आरसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि), महेंद्रगढ़ में विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा एनएसएस दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का आरंभ लक्ष्यगीत के साथ हुआ। इस अवसर पर विवि कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने स्वयंसेवकों को सेवा भाव से काम करने का संदेश दिया। तत्पश्चात छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. राजेश कुमार मलिक व एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रेनु यादव ने विद्यार्थियों को समाज सेवा के विषय पर संबोधित किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, नारनौल के जिला सलाहकार मंगतूराम ने जल संरक्षण और स्वच्छता के महत्व पर विद्यार्थियों से चर्चा की। कार्यक्रम में शहीदों को श्रद्धांजलि भी अर्पित की गई व उनकी कुर्बानियों को याद किया गया। स्वयंसेवक हिमांशु पारिक ने युवाओं की देश निर्माण व प्रगति में भागीदारी पर चर्चा की। कार्यक्रम के अंत में एनएसएस शाखा द्वारा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के समंवयक डॉ. दिनेश चहल ने की।

हरियाणा केंद्रीय विवि में हिंदी पखवाड़े के प्रतिभागी सम्मानित

रोहतक। महेंद्रगढ़ स्थित हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सोमवार को हिंदी पखवाड़े का समापन व पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया था। मुख्य

व्यवसायिक गतिविधि

अतिथि कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि हिंदी हमारे पुरातन संस्कृति को समझने में मददगार साबित होती है। विशिष्ट अतिथि प्रो. बीर सिंह ने विद्यार्थियों को हिंदी के प्रचार-प्रसार में प्रयासरत रहने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के पीठाचार्य प्रो. रणवीर सिंह ने पखवाड़े के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र और नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। इस मौके पर प्रो. अमर सिंह, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. पूजा वालिया आदि उपस्थित थे।